पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में 'सुशासन दिवस' का आयोजन

लखनऊः 25 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा स्व0 महामना मदन मोहन मालवीय को उनके जन्मदिवस पर 'भारत रत्न' दिये जाने का उचित निर्णय उचित दिन पर लिया गया है। केन्द्र सरकार ने इन दोनों महानुभावों के जन्मदिन को 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाने का जो निर्णय लिया है, वह भी उचित है।

राज्यपाल आज राजभवन में 'सुशासन दिवस' पर आयोजित एक कार्यक्रम में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी इस भाव से कार्य करें कि दूसरों को लगे कि राजभवन अपनी जिम्मेदारी पूरे मनोयोग के साथ निभाता है और वहां शीघ्र और न्यायोचित निर्णय किया जाता है। भ्रष्टाचार को रोकना भी सुशासन का एक भाव है। उन्होंने कहा कि सुशासन के लिये आवश्यक है कि सदैव मुस्कराते रहो, किसी का अपमान न करो और न स्वयं पर अभिमान करो, दूसरों के गुणों की प्रशंसा करो तथा आगे बढ़ने के लिये क्या बेहतर हो सकता है इस पर विचार करो। उन्होंने कहा कि आज हम सबको सुशासन को व्यवहार में लाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि राजभवन की कार्य पद्धति ऐसी हो, जिसकी दूसरे कार्यालय के लोग सराहना करें और उसे अपने कार्यों में उतारें।

श्री नाईक ने कहा कि पं0 मदन मोहन मालवीय ने विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिये चन्दा एकत्र कर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की। वे शिक्षाविद् के साथ पत्रकार और अच्छे वकील थे। उन्होंने कहा कि मालवीय जी को सम्मान देकर भारत सरकार ने खुद को सम्मानित किया है।

राज्यपाल ने कहा कि श्री अटल बिहारी बाजपेयी लखनऊ के सांसद थे और उनका यह सौभाग्य रहा है कि वे उनकी सरकार में पेट्रोलियम मंत्री रहे। उन्होंने कहा कि श्री अटल जी को लखनऊ से बहुत लगाव था। उन्होंने कहा कि श्री अटल जी का ऐसा व्यक्तित्व था कि विपक्ष में रहने पर भी सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें बहुत सम्मान देती थी।

राज भवन